रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1334] नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 31, 2007/कार्तिक 9, 1929

No. 1334] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 2007/KARTIKA 9, 1929

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अक्तूबर, 2007

का.आ. 1854(अ).—केन्द्रीय सरकार, सिक्का निर्माण अधिनियम, 1906 (1906 का 3) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पांच रुपए के सिक्के के लिए निम्नलिखित विमाओं, डिजाइन, धातु या मिश्रित धातु को अवधारित करती है, अर्थात् :—

1. (क) "जगतगुरु श्री नारायणा गुरुदेव" की स्मृति में जारी करने के लिए टकसाल में "जगतगुरु श्री नारायणा गुरुदेव" की विषयवस्तु के साथ पांच रुपये के अंकित मूल्य के सिक्के का टकसाल में निर्माण भी किया जाएगा;

(ख) पांच रुपये के अंकित मूल्य का सिक्का और उसकी संरचना वह होगी जो नीचे सारणी में यथाविनिर्दिष्ट है, अर्थात् :—

सारणी

सिक्के का अंकित मूल्य	आकृति और बाह्य व्यास	धातु संरचना
(1)	(2)	(3)
पांच रुपये	सुरक्षा किनारों सहित वृत्ताकार 23 मि.ली.	फेरिटिक स्टेनलेस स्टील जिसमें— लोहा—83 प्रतिशत क्रोमियम—17 प्रतिशत हो।

2. पांच रुपये का सिक्का निम्नलिखित डिजाइनों के अनुरूप होगा अर्थात् :—

मुख भाग :—सिक्के के मुख भाग पर केन्द्र में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष होगा जिसके नीचे **"सत्यमेव जयते"** इबारत अंतर्लिखित होगी, उसकी बायीं ऊपरी परिधि में हिन्दी में **"भारत"** शब्द और ऊपरी दायीं परिधि में अंग्रेजी में "INDIA" शब्द होगा । इस पर अंतर्राष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य "5" भी होगा और निचली बायीं परिधि में हिन्दी में **"रुपये"** शब्द और निचली दायीं परिधि में अंग्रेजी में "RUPEES" शब्द होगा । उस पर परिधि में 72 (बहत्तर) बिंदु होंगे ।

पृष्ठ भाग :—पांच रुपये के सिक्के के पृष्ठ भाग पर "जगतगुरु श्री नारायणा गुरुदेव" की प्रतिकृति होगी और बाईं ऊपरी परिधि में हिन्दी में "जगतगुरु श्री नारायणा गुरुदेव" शब्द और दायीं ऊपरी परिधि में अंग्रेजी में "JAGAT GURU SREE NARAYANA GURUDEV" शब्द होंगे । परिधि में 72 (बहत्तर) बिंदु होंगे ।

पांच रुपये के लिए सुरक्षा किनारा :—पांच रुपये के सिक्के का किनारा उसकी परिधि का सुरक्षा किनारा होगा । किनारे के मध्य में दो रिक्त जगह द्वारा पृथक दो खंडों की ओर डिजाइन उभरा खांचा होगा । इस डिजाइन में उभार में मनकों की शृंखला होगी और प्रत्येक मनके के पश्चात् उभार में एक झुकी हुई पंक्ति द्वारा अनुगम होगा । इसमें कुल तीस पंक्तियां और तीस मनके होंगे ।

[फा. सं. 7/8/2005-सिक्का-II]

अशोक अजमानी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October, 2007

S.O. 1854(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6 of Coinage Act, 1906 (3 of 1906), the Central

Government hereby determines the following dimensions, designs, metal or mixed metals for the coins of Five Rupees, namely :—

(1) (a) the coin of Five Rupees denomination with the theme "JAGAT GURU SREE NARAYANA GURUDEV" shall also be coined at the Mint for issue to commemorate in honour of "JAGAT GURU SREE NARAYANA GURUDEV";

(b) the coin of Five Rupees denomination and composition, as specified in the Table below namely :—

TABLE

Denomination of the coin	Shape and outside diameter	Metal Composition
(1)	(2)	(3)
Five Rupees	Circular 23 millimeters with security edges	Ferritic Stainless Steel Containing— Iron—83% Chromium—17%

2. The coin of Five Rupees shall conform to the following designs, namely :—

OBVERSE :—This face of the coin of Five Rupee shall bear the Lion Capitol of Ashoka Pillar with the legend "सत्यमेव जयते" inscribed below, flanked on the left upper periphery with the word "भारत" in Hindi and on the right upper periphery flanked with the word "**INDIA**" in English. It shall also bear the denominational value "5" in International Numerals flanked on the left lower periphery with the word "रुपये" in Hindi and right lower periphery with the word "RUPEES" in English. There shall be 72 (Seventy-two) dots on the periphery.

REVERSE :—This face of the coin of Five Rupee shall bear the portrait of "JAGAT GURU SREE NARAYANA GURUDEV" flanked on the left upper periphery with the words "जगतगुरु श्री नारायणा गुरुदेव" in Hindi and on the right upper periphery "JAGAT GURU SREE NARAYANA GURUDEV" in English. There shall be 72 (Seventy-two) dots on the periphery.

SECURITY EDGE FOR FIVE RUPEES :— The edge of the coin of Five Rupee shall have security edge on periphery. At the center of the edge there shall be shallow groove with a design inside the two sections separated by blank spaces. This design shall consist of chain of beads in relief and each bead being followed by one inclined line in relief. There shall be total 30 lines and 30 beads.

[F. No. 7/8/2005-Coin-II]

ASHOK AJMANI, Under Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.